



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्प्रचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीनक जागरण	३०-०१-२५	५	५-६

### हकूमि की उन्नत किस्मों से किसान हो रहे लाभान्वित



हकूमि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कंपनी व विश्वविद्यालय के अधिकारीगण • पीआटओ

जागरण संवाददाता•हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से विकसित की गई विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में अपना परचम लाहरा रही है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों के पास तत्काल पहुंचना

चाहिए। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि इस तरह के समझौते से विकसित कि गई उन्नत किस्में व तकनीक अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाई जा सके। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगा ताकि इस किस्म का विश्वसनीय बीज उन्हें मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का मुरलीधर सीइम कारपोरेशन हैदराबाद के साथ समझौता हुआ है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में एमओयू साइन हुआ।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
१८ अक्टूबर

दिनांक  
३०-०१-२५

पृष्ठ संख्या  
९

कॉलम  
५-७

## हकूमि की बाजरे की दो किस्मों का हैदराबाद की कंपनी से समझौता

हिसार, 29 जनवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में अपना परचम लहरा रही है।

इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों के पास तत्काल पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि इस तरह के समझौते से विकसित कि गई उन्नत किस्में व तकनीक अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाई जा सके।

उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि इस किस्म का विश्वसनीय बीज उन्हें मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके। हरियाणा कृषि



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी व विश्वविद्यालय के अधिकारी। घण्टा

विश्वविद्यालय का मुरलीधर सीइस कॉर्पोरेशन, हैदराबाद के साथ समझौता हुआ है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन

**कुलपति ने कहा-**  
**उज्ज्वल किस्मों**  
**से किसान हो**  
**रहे लाभान्वित**

पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि मुरलीधर सीइस कॉर्पोरेशन की तरफ से कंपनी के सीईओ मुरलीधर रेही ने हस्ताक्षर किए।

बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी-67 संशोधित-2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण जैसे अतिशीघ्र पकना, शुष्क रोधिता, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता,

अग्री, मध्यम व पछेती बुवाई के लिए उपयुक्तता आदि विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 विंटल तथा 20.9 विंटल प्रति एकड़ है। यह नई संशोधित संकर किस्म बहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व बाजरा की अन्य बीमारियों के रोगरोधी है। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. देवब्रत, डॉ. गजराज, डॉ. रेणु मुंजाल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. विनोद मलिक, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दीर्घ भूमि	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
		३० - ०१ - २५	१	१-५

### किसानों को निलेनी बाजे की उन्नत किस्त

# एप्रिल का हैदराबाद की कंपनी से समझौता

ट्रिभुवन न्यूज़ || हिसार



#### इस कंपनी से समझौता

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में अपना परचम लहरा रही है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि बैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों के पास तत्काल पहुंचना चाहिए। विवि का प्रयास है कि इस तरह के समझौते से विकसित कि गई उन्नत किस्में व-

तकनीक अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचे। समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी

#### ये रहे उपस्थिति

इस मौके पर एचएचबी के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. देवप्रत, डॉ. गजराज, डॉ. रेण मंजाल, जीडिया एडवाइजर डॉ. सदीप आर्य, आईपीआर सेल के प्रभासी डॉ. गोगेश जिंदल, डॉ. विनोद मलिक, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।

#### किस्त में यह है खासियत

बाजरा अनुमान के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी-67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बाजारी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनमोदित की गई थी। एचएचबी-67 संशोधित के नर जनक एच 77/833-2-202 को विवित (मार्कर) सहायक चर्यन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी-67 संशोधित-2 में एचएचबी-67 संशोधित के सभी गुण जैसे अतिरिक्त पकड़ा, शुष्क रोधित, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता, अग्रीती, मध्यम व पछेती बुवाई के लिए उपयुक्तता आदि विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज कमश: 8.0 विचंटल तथा 20.9 विचंटल प्रति एकड़ है। यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व बाजरा की बीमारियों के रोगरोधी है।

किसानों तक पहुंचाएगी, ताकि इस मिल सके और उनकी पैदावार में किस्म का विश्वसनीय बीज उन्हें इजाफा हो सके।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दोनों भाग	३०-०१-२५	३	३-५

बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म को  
लेकर एचएयू का हैदराबाद की कंपनी से एमओयू



हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगा। एचएयू का मुरलीधर सीड्स कॉर्पोरेशन, हैदराबाद के साथ समझौता हुआ है। कुलपति प्रो.

बीआर काम्बोज की उपस्थिति में विवि की ओर से समझौता ज्ञापन पर एचएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जनकी मुरलीधर सीड्स कॉर्पोरेशन की तरफ से कंपनी के सीईओ मुरलीधर रेही ने हस्ताक्षर किए। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बासानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की थी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत सभान्धा॒	३०-०१-२५	६	६-४

### हृषि की उन्नत किस्मों से किसान हो रहे लाभान्वितः प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 29 जनवरी  
(विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में अपना परचम लहरा रही हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने

पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवस्थायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओआयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों के पास तत्काल पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि इस तरह के समझौते से विकसित कि गई उन्नत किस्में व तकनीक अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाई जा सके। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि इस किस्म का विश्वसनीय बीज उन्हें मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी व विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

हो सके।

इस कंपनी के साथ हुआ समझौता : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का मुरलीधर सीइस कॉर्पोरेशन, हैदराबाद के साथ समझौता हुआ है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि मुरलीधर सीइस कॉर्पोरेशन की तरफ से कंपनी के सीईओ मुरलीधर रेड़ी ने हस्ताक्षर किए। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित-2 किस्म पहले वाली किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काशत के लिए 2021 में अनुमोदित की गई

थी। एचएचबी-67 संशोधित के नं. जनक एच 77/833-2-202 को चिन्हित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी-67 संशोधित-2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण जैसे अतिशीघ्र

पकना, शुष्क रोधिता, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता, अगती, मध्यम व पछेती बुवाई के लिए उपयुक्तता आदि विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 किंटल तथा 20.9 किंटल प्रति एकड़ है।

यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व बाजरा की अन्य बीमारियों के रोगरोधी है। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. देवब्रत, डॉ. गजराज, डॉ. रेणु मुज़ाल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्थ, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. विनोद मलिक, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सरी	३०-०१-२५	५	७-८

### हफ्ते की उन्नत किस्मों से किसान हो रहे लाभान्वितः प्रो. काम्बोज



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी व विश्वविद्यालय के अधिकारीण।

हिसार, 29 जनवरी (ब्लूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में अपना परचम लहरा रही हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों के पास तकाल पहुंचना चाहिए।

विश्वविद्यालय का प्रयास है कि इस तरह के समझौते से विकसित की गई उन्नत किस्में व तकनीक अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाई जा सके। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि इस किस्म का विश्वसनीय बीज उन्हें मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	२०-०१-२५	६	६-८

# दैनिक भास्कर

फूल संती

प्रति एकड़ 2 किलोग्राम बीज डाल सकते हैं किसान, पहले उपचारित करें  
सूरजमुखी की बिजाई का यह उपयुक्त समय,  
1 एकड़ में 30 विवंटल तक पैदावार ले सकेंगे

यशपाल सिंह | हिसार

सूरजमुखी फसल की बिजाई मुख्यतः कुरुक्षेत्र, अम्बाला, करनाल, यमुनानगर और पंचकूला जिलों में की जाती है। इसकी अधिकतम उत्पादन क्षमता 30 विवंटल प्रति एकड़ ली जा सकती है। जिन क्षेत्रों में सूरजमुखी के बाद कपास की फसल लेनी हो वहां पर सूरजमुखी की बिजाई जनवरी के दूसरे पखवाड़ में कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. बीआर कामोज ने बताया कि कम्पोजिट किस्मों का 4 किलोग्राम व संकर किस्मों का 1.5 से 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ के हिसाब से 4-6 घंटे पानी में भिगोएं। इसे छाया में सुखाकर कतारों में 45 सेंटीमीटर व पौधों में 30 सेंटीमीटर के अंतर पर 3 से 5 सेंटीमीटर गहराई पर बोएं। संकर किस्मों का 1.5 से 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ 8 घंटे पानी में भिगोकर फिर छाया में सुखाकर कतारों में 60

### इन उन्नत किस्मों का करें चयन



उन्नत किस्मों में समय पर बिजाई के लिए संकर किस्मों के बीएसएच-1, पीएसी-36, एमएसएफएच-8, पीसीएसएच-234, केबीएसएच-44, पीएसएच-1962, एचएसएफएच-848 का बीज इस्तेमाल करें। पछेती बिजाई के लिए एमएसएफएच 17, पीएसी 1091, सनजीन 85, प्रोसन 9 और एचएसएफएच-848 उपयुक्त हैं।

### कटुआ सुंडी का आक्रमण हो तो खेत की सिंचाई करें

तिलहन अनुभाग के इंचार्ज डॉ. रामावतार के अनुसार यदि कटुआ सुंडी का आक्रमण हो तो खेत की सिंचाई करें या 10 किलोग्राम फेनवालरेट 0.4 प्रतिशत प्रति एकड़ डालें। इसके अलावा 80 मिली. फेनवालरेट 20 ईसी. या 50 मिली. साथरमेथिन 25 ईसी. या 150 मिली. डेकामेथिन 2.8 ईसी. को 100 से 150 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें।

सेंटीमीटर व पौधों में 30 सेंटीमीटर के फासले पर व 3 से 5 सेंटीमीटर की गहराई पर बोएं। डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि 12 किलोग्राम नाइट्रोजन 30 किलोग्राम यूरिया व 16 किलोग्राम फास्फोरस 100 किलोग्राम सुपर फास्फेट या 35 किलोग्राम डीएपी प्रति एकड़ बिजाई के समय डालें। संकर किस्मों में 45 किलोग्राम यूरिया व 125 किलोग्राम एसएसपी डालें।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.01.25		

# बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का हैदराबाद की नामी कंपनी से हुआ एमओयू

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की ऊत किसमें न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों में अपना परचम लहरा रही है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने एकलिंग प्राइवेट फार्म नरेशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद की नामी बीज कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रौ. वी.आर. काम्बोज ने बताया कि बैज़ानिकों द्वारा किया गया शोध किसानों के पास तकाल पहुंचना चाहिए। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि इस तरह के समझौतों



कुलपति प्रौ. वी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी के अधिकारी व विश्वविद्यालय के अधिकारी।

से विकसित कि गई ऊत किसमें व की एचएचबी-67 संशोधित 2 इजाफा हो सके। तकनीक अधिक से अधिक किस्म का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाई जा सके। किसानों तक पहुंचाएगी ताकि इस मुरलीधर सीइम कॉरपोरेशन, उपरोक्त समझौते के तहत किस्म का विश्वसनीय बीज उन्हें हैदराबाद के साथ समझौता हुआ है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे मिल सके और उनकी पैदावार में कुलपति की उपस्थिति में

विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजवीर गर्मी ने जबकि मुरलीधर सीइम कॉरपोरेशन की तरफ से कंपनी के सीईओ मुरलीधर रेड्डी ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. देवदत, डॉ. गजराज, डॉ. रंग मुंजाल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, अईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश चिंदन, डॉ. विनोद महिलक, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. अनुष्णु उपस्थित रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	30.01.25		

बाजरे की एचएचबी-67 संशोधित 2 किस्म का हैदराबाद की नामी कंपनी से हुआ समझौता

- हक्कियि की उन्नत किस्मो से किसान हो रहे लाभान्वित : कुलपति

संयोग न्यूज/मरेट्र लीड्स

दिवार, 28 अक्टूबर : बौद्ध  
परंग सिंह हरियाणा की  
विभिन्नताओं पे एकल शुद्धता  
एवं उन्नति के तहत लकड़ीका  
खेतमण्डीकरण को बढ़ावा देने के  
लिए हैदराबाद की नामी खेत कर्मनों  
के साथ समझौता आया (एसटीओ.  
पर हस्ताक्षर लिय है। विभिन्नताओं  
के सूचनाएँ दो वी उन वास्तविक ने  
आया कि विभिन्नतों द्वारा किया गया  
लोग किमानों के पास लकड़ी  
पहुँचना चाहिए। विभिन्नताओं का  
प्रश्न है कि इन तरह के समझौते में  
विभिन्नत कि वह जल किसमें  
लकड़ीक अधिक मेर अधिक किसमें  
तक पहुँचाय जा सके। उपरोक्त  
समझौते के तहत विभिन्नताओं द्वारा  
विभिन्नत आजीन की उत्पत्तिकी-6



इस कंपनी के साथ  
हआ समझौता

हायग्रव की विश्वामित्राद का  
परावर्ग संघर्ष को प्रतिक्रिया,  
द्युमन के लाल समझता है।  
इसके बाहरी भू-भाग वज्रासन  
के उत्तरांश में विश्वामित्राद की  
ओर समझता हैन एवं  
विश्वामित्राद के अनुकूल  
विनाश की याचनीय गति जो वज्रक  
सुनाइया संघर्ष करिवासन वर्त  
दरम वाले के अंतर्गत पुरुषोंपा  
रंगे व इतना विप्र।

अन्य लैपाइयो के रोलरोंही है। इस अवधि पर कृषि महाविद्यालय के अधिकारी तो पासके पहुँचा, मानव समाजन प्रबल नियरेक तो, रमेश कालाय, तो टेक्कात, तो गजाराज, तो राणु मुजलाह, मौरीगण एकुआइजर तो, बड़े लोग आए, भर्तीदेव अम ऐन के पढ़ाये तो, लोगेस नियर, तो चिक्के भर्ती, तो उल्लेन्ड भर्तीय, तो अन्यरात उत्तिष्ठा गई।